

(ख) निम्नली और सरायगढ़ के बीच मीटर लाइन रेल सम्पर्क को फिर से बिछाने की संभावनाओं का पता लगाने के लिए 1973 में इंजीनियरी एवं यातायात सर्वेक्षण की स्वीकृति दी गई थी। इस सर्वेक्षण द्वारा इस परियोजना की सिफारिश नहीं की गई थी। 1974 में एक नये सर्वेक्षण के आदेश दिये गये थे और पुरानी रेल लाइन को फिर से चालू करने और निम्नली से भीमनगर तक मीटर लाइन रेल सम्पर्क की व्यवस्था के विकल्प जिसे दाद में ललितप्राम से मिलाने का प्रस्ताव था, के बारे में जांच-पड़ताल की गई है। इनके सम्बन्ध में 1977 में ट्रिपोर्ट प्राप्त हो गई है। इन दोनों विकल्पों के अन्तर्भृत कोसी नदी पर भारी लागत वाले पुल का निर्माण करना शामिल है। संसाधनों की सीमित उपलब्धता के कारण इस परियोजना का प्रारम्भ करना संभव नहीं हो पाया है।

चन्द्राद और बानापुर डिवीजनों को समाप्त करना

\* 478. श्री चन्द्रेन विद्युत वर्ष : क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या आपात स्थिति के दौरान दानापुर और बन्द्राद डिवीजनों को समाप्त कर मुगलसराय को डिवीजन बनाने का निर्णय लिया गया था;

(ख) क्या उक्त निर्णय के अनुसार सरकार उन दोनों डिवीजनों को समाप्त कर रही है; और

(ग) यदि हाँ, तो उक्त डिवीजनों को समाप्त करने का क्या अधिकृत्य है?

रेल मंत्री (श्रोता भूषु दंडवते) : (क) आपातकान के दौरान मुगलसराय में एक नया मंडल कार्यालय स्थापित करने का निर्णय किया गया था। लेकिन दाना-

पुर और बन्द्राद मंडलों को समाप्त करने का कोई विनिश्चय नहीं किया गया था।

(ख) और (ग). प्रश्न नहीं उठता।

बातानुकूलित तथा पहले दर्जे के डिवीजनों से आय

\* 479. श्री शरद यादव : क्या रेल मंत्री निम्नलिखित जानकारी देने वाला विवरण सभा पटल पर रखने की कृपा करेंगे :

(क) जनवरी 1977 से दिसम्बर, 1977 के दौरान बातानुकूलित तथा पहले दर्जे के डिवीजों पर कितना व्यय किया गया और उन से कितनी आय हुई; और

(ख) क्या यह भी पता लगाया गया है कि इन डिवीजों में कौन सरकारी अधिकारी तथा कम्पनी अधिकारी यादा करते हैं तथा उनके किराये की अदायगी कौन करता है?

रेल अंतर्राज्य में राज्य अंत्री (श्री शिव मारायण) : (क) बातानुकूल और पहले दर्जे के सवारी डिवीजों पर वास्तव में जो खर्च हुआ है उसके आंकड़े उपलब्ध नहीं हैं क्योंकि इन आंकड़ों को लेखे में अलग-अलग दर्जेवार नहीं दिखाया जाता है। लेकिन, जनवरी, 1977 से दिसम्बर, 1977 तक की अवधि के दौरान बातानुकूल और पहले दर्जे के यात्रियों से हुई आमदानी कमाशा: 4.97 करोड़ और 52.60 करोड़ रुपये थी।

(ख) जी नहीं।

#### WORLD BANK MISSION

\*480. SHRI PRASANN BHAI MEHTA : Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state :

(a) whether a World Bank Mission was expected to visit India in January 1978 to undertake appraisal of a new railway credit project which is likely to cover workshop and locomotives modernisation and manufacture of wheels and axles;

(b) whether the Mission of the World Bank visited India in January, 1978;

(c) if so, the outcome of the visit;